प्रश्न बैंक

QUESTION BANK

कक्षा–12

विषय – हिन्दी साहित्य

खण्ड (अ)

बहुवैकल्पिक प्रश्न–

1 भारतेन्दु युग के प्रमुख कवि नहीं है–

(अ) बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमधन' (ब) प्रताप नारायण मिश्र (स) माधव दास चारण (द) अम्बिका दत व्यास

2 भारत दुर्दशा नाटक के रचनाकार है–

(अ) गोपाल चन्द्र गिरधर दास(ब) श्रीधर पाठक(स) राधा कृष्ण दास(द) भारतेन्द हरिचन्द्र

3 'कामायनी' के लेखक है–

(अ) महादेवी वर्मा (ब) जयशंकर प्रसाद (स) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (द) सुमित्रानंदन पंत

4 छायावाद काव्य का रचनाकाल माना जाता है–

(अ) सन् 1843 से 1900 तक (ब) सन् 1918 से 1936 तक (स) सन् 1936 से 1943 तक (द) सन् 1954 से 1960 तक

5 गुरू तो ऐसा चाहिए, सिख सों कुछ न लेई।

'सिख तो ऐसा चाहिए, गुरू को सरबख देई।' इसमें काव्य गुण है–

(अ) प्रसाद गुण (ब) ओज गुण (स) माधुर्य गुण (द) उपर्युक्त सभी

6 काव्य का ऐसा गुण जो चित को द्रवित कर उसे आह्लादित कर देता है–

(अ) ओज गुण (ब) माधुर्य गुण (स) प्रसाद गुण (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7 हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में मात्राएं होती है–

(अ) 30 मात्राएं (ब) 28 मात्राए (स) 32 मात्राएं (द) 36 मात्राएं

8 दोहा और रोला के मेल से .....छंद बनता है–

(अ) हरिगीतिका (ब) छप्पन (स) सवैया (द) कुण्डलिया

9 ''माती आवत देखि के, कलियन करी पुकारि।
फुले–फुले चुन लिये, काल्हि हमारी बारि।।''

(अ) समासोक्ति अलंकार (ब) विभावना अलंकार (स) अन्योक्ति अलंकार (द) व्यतिरेक अलंकार

10 जब स्वाभाविक उपमेय को उपमान और उपमान को उपमेय बना दिया जाता है तब.....अलंकार होता है–

(अ) व्यतिरेक (ब) प्रतीप (स) विभावना (द) समासोक्ति

11 कबीर भक्तिकाल की किस भक्तिधारा के प्रतिनिधि भक्त कवि माने जाते है–

(अ) रामभक्ति धारा (ब) कृष्ण भक्ति धारा (स) ज्ञानाश्रयी निर्गुण धारा (द) प्रेमाश्रयी (सूफी)

12 'श्रीरामचरितमानस' के रचयिता कौन है–

(अ) कबीरदास (ब) तुलसीदास (स) रैदास (द) सूरदास

13 मन्दोदरी किसकी पत्नी थी–

(अ) रावण (ब) कुम्भकर्ण (स) मेघनाद (द) राम

14 अकबर ने प्रभावित होकर रहीम को कौनसी उपाधि दी–

(अ) सूबेदार (ब) मीर (स) खानखानी (द) मिर्जाखान

15 राष्ट्रकवि के नाम से कौनसे कवि सम्मानित है–

(अ) निराला (ब) भारतेन्दु (स) मैथिलीशरण गुप्त (द) तुलसीदास

16 'यशोधरा' काव्य का काव्यरूप क्या है–

(अ) महाकाव्य (ब) खण्डकाव्य (स) प्रबन्धकाव्य (द) गीतिकाव्य

17 'राम की शक्तिपूजा' प्रबन्ध काव्य किसने लिखा–

(अ) महादेवी वर्मा (ब) निराला (स) प्रसाद जी (द) तुलसीदास

18 'राम की शक्तिपूजा' कविता में 'शक्ति' से आशय है–

(अ) सरस्वती (ब) लक्ष्मी देवी (स) दुर्गा (द) सीता देवी

19 जिस रचना के आधार पर गुप्त जी को 'राष्ट्रकवि' उपाधि से पुकारा जाने लगा, वह रचना है–

(अ) साकेत (ब) भारत भारती (स) सिद्धराज (द) पंचवटी

20 जयशंकर प्रसाद ने 'पेशोला' किसे कहा है–

(अ) अन्नासागर को (ब) जयसमन्द को (स) उयसागर को (द) पिछोला झील को

21 'पिछोला की प्रतिध्वनि' में महाकवि प्रसाद ने संदेश दिया है–

(अ) देश के स्वाधीनता का (ब) मेवाड़ के गौरव का (स) मानवता की रक्षा का (द) महाराणा प्रताप के शोर्य वीरता का

22 'कुरूक्षेत्र' काव्य के अनुसार शांति का प्रथम न्यास है–

(अ) अन्याय (ब) न्याय (स) द्वेष (द) ईर्ष्या

23 दिनकर के अनुसार क्षमा किसे शोभती है–

(अ) जो धनवान हो (ब) जो शक्तिशाली हो (स) जो विनम्र हो (द) जो सहनशील हो

24 भारतमाता है–

(अ) ग्रामवासिनी (ब) नगर वासिनी (स) पाताल वासिनी (द) महल वासिनी

25 'धरती कितना देती है' कविता का संदेश है–

(अ) जैसा बोयेगें वैसा ही पायेगें (ब) भारत रत्न प्रसविनी है

(स) लोभ कुछ हद तक ठीक है (द) बचपन मे नासमझी रहती है

26 प्रेमचन्द के बचपन का मूल नाम क्या था–

(अ) मोहन (ब) धनपत राय (स) मदन कुमार (द) आनन्दी लाल

27 गुल्लीडंडा कहानी में कथा नायक विलायती खेलों का सबसे बड़ा ऐब क्या मानते है–

(अ) महंगा होना (ब) सस्ता होना (स) चोट का डर (द) अधिक समय लगना

28 'मिठाईवाला' कहानी के कहानीकार कौन है–

(अ) निराला (ब) अज्ञेय (स) भगवती प्रसाद वाजपेयी (द) जैनेन्द्र

29 'शिरीष के फुल' निबन्ध है–

(अ) ललित निबन्ध (ब) वस्तुनिष्ठ निबन्ध (स) आलोचनात्मक निबन्ध (द) ऐतिहासिक निबन्ध

30 'मेघदूत' किसकी रचना है–

(अ) कबीर (ब) तुलसी (स) कालिदास (द) वाल्मीकि

31 'ऊधो का लेना, न माधो का देना' का अर्थ लिखिए–

(अ) स्वार्थी (ब) किसी से कोई मतलब नहीं (स) अनियंत्रित (द) कर्जमुक्त

32 जैनेन्द्र किस प्रकार के कथाकार के रूप में प्रसिद्ध है–

(अ) मनोवैज्ञानिक (ब) आँचलिक (स) प्रगतिवादी (द) ऐतिहासिक

33 'पाजेब' कहानी किस पृष्ठभूमि पर लिखी गई है–

(अ) बालमनोविज्ञान (ब) पौराणिक (स) हास्य काव्य (द) मनोविश्लेषण

34 'पाजेब' कहानी किस शैली में लिखी गई है–

(अ) डायरी शैली (ब) आत्मकथात्मक शैली (स) व्यास शैली (द) व्यंगय शैली

35 आशुतोष को उसकी बुआ ने जन्मदिन पर क्या देन का वादा किया–

(अ) पतंग (ब) बाईसिकिल (स) पाजेब (द) मिठाई

36 किसी भिखारी के प्रति सामान्य प्रतिक्रिया होती है–

(अ) क्रोध (ब) उपेक्षा (स) करूणा (द) श्रद्धा

37 अलोपी के चक्षु के अभाव की पूर्ति किसने की–

(अ) कान ने (ब) रसना ने (स) हाथों ने (द) पैरों ने

38 हिन्दी में हास्य व्यंग्यपरक रचना करने वालों में किसका स्थान अग्रणी है–

(अ) अज्ञेय (ब) निराला (स) हरिशंकर परसाई (द) सूर्यबाला

39 सच्चे अर्थो में संपूर्ण राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी कौन है–

(अ) पृथ्वी (ब) संस्कृति (स) जन (द) राष्ट्र

40 जन का मस्तिष्क है–

(अ) नदी (ब) पर्वत (स) राष्ट्र (द) संस्कृति

41 संस्कृति का अमित भण्डार भरा हुआ है–

(अ) लोकगीतों व लोक कथाओं में (ब) प्राकृतिक सौन्दर्य (स) जन–मानस (द) धर्म व विज्ञान में

42 'निर्वासित' कहानी की कहानीकार है–

(अ) दीपबाला (ब) वीरबाला (स) सूर्यबाला (द) राजबाला

43 'निर्वासित' कहानी का अंत होता है–

(अ) सुखांत (ब) दुखांत (स) प्रसादांत (द) इनमें से कोई नहीं

44 सुभाष बाबू का जन्म हुआ–

(अ) 1897 (ब) 1926 (स) 1950 (द) 1927

45 सुभाष बाबू की मातृभाष थी–

(अ) हिन्दी (ब) अंग्रेजी (स) बंगला (द) उर्दू

46 मातृभूमि की सेवा का मंत्र सुभाष बाबू को किससे मिला–

(अ) गाँधी (ब) नेहरू (स) तिलक (द) विवेकानन्द

47 जगदीशचन्द्र बोस वैज्ञानिक थे–

(अ) परमाणु विज्ञान के (ब) जीव विज्ञान के (स) भूगर्भशास्त्र के (द) वनस्पतिशास्त्र के

48 दया सज्जनता का–

(अ) भूषण है (ब) मूल्य है (स) उपहार है (द) रूप है

49 छाया के अनुसार प्रत्येक पुरूष के लिए स्त्री है–

(अ) पत्नी (ब) कविता (स) माता (द) देवी

50 गुप्त साम्राज्य में कौनसा संकट उपस्थित हुआ–

(अ) अकाल का (ब) बाढ़ का (स) तोरमाण के आक्रमण का (द) गृहयुद्ध का

51 गेहुँ और गुलाब के बीच आवश्यक है–

(अ) विरोध (ब) सन्तुलन (स) शांति (द) होड़

52 गुलाब की दुनिया प्रतीक है–

(अ) स्वर्ग की (ब) धरती की (स) मानस की (द) मस्तिष्क की

53 'गेहुं बनाम गुलाब' पाठ के अनुसार मानव शरीर में सबसे नीचे का स्थान क्या है–

(अ) आँख का (ब) पेट का (स) मुख का (द) पैर का

54 महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन भार कब से संभाला था–

(अ) 1900 ई (ब) 1920 ई (स) 1903 ई (द) 1910 ई.

55 कबीर ने इस संसार को किसके फूल के समान बताया है–

(अ) कमल के फूल (ब) सेमल के फूल (स) लालकमल (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

56 रहीम ने किसकी भक्ति पदों की रचना की–

(अ) शिव (ब) श्रीकृष्ण (स) दुर्गा (द) श्रीराम

57 जयशंकर प्रसाद का जन्म कहाँ हुआ था–

(अ) मगहर (ब) उतरप्रदेश (स) काशी (द) फतेहाबाद

58 मिठाईवाला कहानी में किस रूप में नहीं आया था–

(अ) दूधवाला (ब) खिलौनेवाला (स) मुरलीवाला (द) मिठाईवाला

59 महादेवी वर्मा किस काल की कवयित्री थी–

(अ) छायावादी काल (ब) प्रयोगवाद (स) प्रगतिवाद (द) द्विवेदी काल

60 हिन्दी का सांस्कृतिक उपन्यासकार इनमें से कौन है–

(अ) अज्ञेय (ब) रागेय राघव (स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (द) जयशंकर प्रसाद

61 चीड़ों पर चाँदनी के रचनाकार कौन है–

(अ) यशपाल (ब) डॉ. धर्मवीर भारती (स) निर्मल वर्मा (द) डॉ. नगेन्द्र

62 इनमें से कौन छायावादी कवि नहीं है–

(अ) प्रसाद जी (ब) निराला (स) पंत (द) दिनकर

63 इनमें से जयशंकर प्रसाद का नाटक कौनसा नहीं है–

(अ) स्कन्दगुप्त (ब) चन्द्रगुप्त (स) अन्धेरनगरी (द) अजातशत्रु

64 निम्न में से प्रयोगवाद के प्रवर्तक माने जाते है–

(अ) रामविलास शर्मा (ब) मुक्तिबोध (स) अज्ञेय (द) निर्मल वर्मा

65 प्रेमचन्द का अधूरा उपन्यास है–

(अ) मंगलसूत्र (ब) गोदान (स) गबन (द) रंगभूमि

66 अज्ञेय द्वारा सम्पांदित तार सप्तकों की संख्या है–

(अ) दो (ब) तीन (स) चार (द) पाँच

67 काव्य गुण कितने प्रकार के होते है–

(अ) दो (ब) तीन (स) चार (द) पाँच

68 जिस रचना को पढकर मन में जोश व उत्साह जाग्रत हो जाता है उसे कहते है–

(अ) ओजगुण (ब) माधुर्य गुण (स) प्रसाद गुण (द) वीर गुण

69 गुण किसके अंगी धर्म माने जाते है–

(अ) ध्वनि (ब) रस (स) दोष (द) रीति

70 'बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय' में से कौन सा काव्यगुण है–

(अ) ओजगुण (ब) माधुर्य गुण (स) प्रसाद गुण (द) इनमें से कोई नहीं

71 रोला और उल्लाला मे मेल से कौनसा छंद बनता है–

(अ) हरिगीतिका (ब) छप्पय (स) कुण्डलियां (द) सवैया

72 जहां अप्रस्तुत का वर्णन कर प्रस्तुत का बोध कराया जाता है वहां अलंकार होता है–

(अ) समासोक्ति (ब) विभावना (स) अन्योक्ति (द) प्रतीप

73'बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय' निम्न उक्ति में कौनसा अलंकार है–

(अ) प्रतीप (ब) विभावना (स) व्यतिरेक (द) अनयोक्ति

74 किस अलंकार में उपमान का अपमान कर दिया जाता है–

(अ) व्यतिरेक (ब) विभावना (स) प्रतीप (द) अन्याक्ति

75 सुभाषचन्द्र बोस के पिता का नाम क्या था–

(अ) आत्माराम (ब) आनन्दीलाल (स) जानकीनाथ (द) मोहनलाल

76 परमात्मा की छाया आत्मा में, आत्मा की छाया परमात्मा में पड़ने लगती है तभी छायावाद की सृष्टि होती है यह परिभाषा किसने दि–

(अ) रामचन्द शुक्ल ने (ब) जयशंकर प्रसाद ने (स) रामकुमार वर्मा ने (द) डॉ. नगेन्द्र ने

77 निम्न में से तुलसीदास की रचना नहीं है–

(अ) कवितावली (ब) रसिक प्रिया (स) गीतावली (द) विनय पत्रिका

78 'भोर का तारा' एकांकी के लेखक है–

(अ) प्रेमचन्द (ब) रामविलास वर्मा (स) अज्ञेय (द) जगदीश चन्द्र माथुर

79 प्रथम तारसप्तक के कवि इनसे कौन नहीं है–

(अ) नेमिचन्द्र जैन (ब) मुक्तिबोध (स) अज्ञेय (द) धर्मवीर भारती

80 योगी कथामृत किस महापुरूष से सम्बन्धित है–

(अ) प्रणय कुमार जी (ब) महावतार से (स) योगानन्द जी (द) युक्तेश्वर जी

81 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक है–

(अ) महावी प्रसाद द्विवेदी (ब) गुलाबराय (स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (द) विद्यानिवास मिश्र

82 पेशोला की प्रतिध्वनि कविता किस काव्य संग्रह से संगृहीत है–

(अ) कानन कुसुम (ब) लहर(स)झरना (द) आंसू

83 रहीम के अधिकांश दोहे किस विषय के है–

(अ) भक्ति (ब) श्रृंगार (स) वीररस (द) नीति

84 'काज परै कछु और है, काज सरै कछु और' इसमें रहीम ने मानव की किस प्रवृति को बताया है–

(अ) स्वार्थी (ब) लाभी (स) स्वाभिमानी (द) सज्जन

85 'अहंकार सिव बुद्धि अज मन ससि चित महान' इसमें 'अज' से तात्पर्य है–

(अ) शिवजी (ब) विष्णु (स) सूर्य (द) बह्मा

86 प्रकृति का सुकुमार कवि किसे कहा जाता है–

(अ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (ब) सुमित्रानंदन पंत (स) पद्माकर (द) दिनकर

87 हिन्दी भाषा की लिपि कौनसी है–

(अ) गुरमुखी (ब) रोमन (स) देवनागरी (द) इनमें से कोई नहीं

88 'गोदान' उपन्यास के लेखक का क्या नाम है–

(अ) भारतेन्दु (ब) कमलेश्वर (स) प्रेमचन्द (द) निर्मल वर्मा

89 सचेतन कहानी के प्रवर्तक है–

(अ) मोहन राकेश (ब) अज्ञेय (स) महीप सिंह (द) नामवर सिंह

90 समानान्तर कहानी का प्रवर्तन किसने किया–

(अ) कमलेश्वर (ब) मार्कण्डेय (स) निर्मल वर्मा (द) गणपति चन्द्र गुप्त

91 रामायण महानाटक के रचयिता कौन है–

(अ) प्राणचन्द चौहान (ब) वाल्मीकि (स) तुलसीदास (द) श्रीधर

92 'गये तरस ही खात' इस कथन में सिद्धार्थ गौतम की किस चारित्रिक विशेषता की व्यंजना हुई है–

(अ) निष्ठुरता (ब) निर्दयता (स) करूणाशीलता (द) विरक्तता

93 'रसा' उपनाम के साहित्यकार है–

(अ) भारतेन्दु (ब) बच्चन (स) सदलमिश्र (द) लल्लूलाल

94 शब्द शिल्पी कहा जाता है–

(अ) पंत (ब) निराला (स) जयशंकर प्रसाद (द) अज्ञेय

95 हिन्दी में प्रगतिवाद का प्रवर्तक माना जाता है–

(अ) नागार्जुन (ब) सुमित्रानन्दन पंत (स) दिनकर (द) त्रिलोचन

96 'रामचरित मानस' का महत्व आज भी है–

(अ) भक्ति साधना के कारण (ब) जीवन मूल्यों के कारण (स) सगुण भक्ति के कारण (द) रावण वध के कारण

97 'भारत की श्रेष्ठता' कविता गुप्त जी के किस काव्य से ली गई है–

(अ) भारतभारती (ब) पंचवटी (स) यशोधरा (द) साकेत

98 राम तीन दिन तक सागर से क्या मांगते रहें–

(अ) अनाज (ब) रास्ता (स) कपड़े (द) हथियार

99 बचपन में कवि पंत ने धरती में क्या बोया था–

(अ) सेम के बीज (ब) गेंहु के दाने (स) मटर के दाने (द) पैसे

100 भारतमाता का अमृत समान दूध बताया गया है–

(अ) सत्याग्रह (ब) अहिंसा (स) पंचशील (द) करूणा

101 हरिशंकर परसाई ने क्रांतिकारियों की क्रांति की सबसे बड़ी दुश्मन किसे बताया है–

(अ) माँ(ब) फादर इन ला (स) पिता (द) मदर इन ला

102 पिण्डदान करने जाते समय इलाहबाद को किस नाम से पुकारते है–

(अ) तीर्थराज (ब) गंगा (स) प्रयाग (द) काशी

103 निर्वासित कहानी में बाबूजी के बड़े बेटे का नाम था–

(अ) रनधीर (ब) राजेन (स) रणवीर (द) राजेश

104 जगदीश चन्द्र बोस के अन्तरंग कवि मित्र का नाम क्या था–

(अ) विवेकानंद (ब) रवीन्द्रनाथ टैगोर (स) रामानंद (द) माधव

105 माधुर्य गुण किन–किन रसो में रहता है–

(अ) श्रृंगार व करूण रस (ब) वीर रस (स) हास्य व रौद्र रस (द) वीभत्स व भयानक रस

B. निम्न अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों (1–10) के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1. काव्य गुण किसे कहते है?

प्रश्न 2. प्रसाद गुण का लक्षण (परिभाषा) लिखिए।

प्रश्न 3. ओज गुण का लक्षण (परिभाषा) लिखिए।

प्रश्न 4. माधुर्य गुण की परिभाषा लिखिए।

प्रश्न 5. काव्य गुण कितने प्रकार के होते है? नाम लिखिए।

प्रश्न 6. हरिगितिका छन्द के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती है?

प्रश्न 7. सवैया छन्द का अन्य नाम लिखिए।

प्रश्न 8. उस छन्द का नाम लिखिए जिस शब्द से आरम्भ होता उसी शब्द से समाप्त होता है।

प्रश्न 9. कुण्डलियाँ छन्द की परिभाषा लिखिए।

प्रश्न 10. हरिगीतिका छन्द का लक्षण बताइए।

प्रश्न 11. वार्णिक छन्द में गणों की संख्या कितनी होती है गणों के नाम लिखिए।

प्रश्न 12. छन्द के प्रमुख भेद कितने होते है नाम लिखिए।

प्रश्न 13. सवैया छन्द का लक्षण बताइए।

प्रश्न 14. 'सिय मुख समता पाव किमि, चन्द्र बापुरो रंक।' पंक्ति में कौनसा अलंकार है लिखिए।

प्रश्न 15. व्यतिरेक अलंकार का लक्षण बताइए?

प्रश्न 16. अन्योक्ति अलंकार से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न 17. 'बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय' पद में कौनसा अलंकार है?

प्रश्न 18. समासोकि अलंकार से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न 19. 'अलंकार' शब्द कर वाचिक अर्थ क्या है?

प्रश्न 20. शब्दालंकार किसे कहते है?

प्रश्न 21. गुल्लीडंडा कहानी का कथानायक बड़ा होकर क्या बनता है?

प्रश्न 22. मिठाईवाला कहानी में किन–किन रूपों में आया था?

प्रश्न 23. 'शिरीष का फूल' संस्कृत साहित्य में कैसा माना जाता है?

प्रश्न 24. 'देश में एक बूढ़ा था' इससे किसकी ओर संकेत किया गया है?

प्रश्न 25. 'पाजेब' कहानी के रचनाकार का नाम लिखिए।

प्रश्न 26. पूछताछ में आशुतोष ने पाजेब किसको बेचने की बात कही है?

प्रश्न 27. अन्ततः पाजेब का पता कैसे चलता है?

प्रश्न 28. अलोपी के चक्षु के अभाव की पूर्ति किसने की?

प्रश्न 29. अंधा अलोपी लेखिका के सामने कौनसा काम करने का प्रस्ताव रखा था?

प्रश्न 30. पत्नी द्वारा किए गए विश्वासघात का अलोपी पर क्या प्रभाव पड़ा?

प्रश्न 31. 'मदर इन ला' और 'सास' में क्या फर्क है?

प्रश्न 32. संस्कारों के सीने पर चढ़कर उसका गला कौन दबा रहा है?

प्रश्न 33. 'संस्कारों और शास्त्रों की लड़ाई' निबन्ध में लेखक का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

प्रश्न 34. कबीर ने किसका चिन्तन करने को कहा है?

प्रश्न 35. कबीर दास ने किस प्रकार की आँधी आने की बात कही है?

प्रश्न 36. कबीरदास जी के अनुसार कैसे व्यक्ति के साथ संगति नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 37. ' गेहूँ और गुलाब' का प्रतीकात्मक अर्थ लिखिए।

प्रश्न 38. 'भोर का तारा' एकांकी में वर्णित गुप्त साम्राज्य का शासक कौन था?

प्रश्न 39. शेखर ने अपने जीवन की कौनसी दो साधनाएँ बताई?

प्रश्न 40. राष्ट्र की वृद्धि कैसे संभव है?

प्रश्न 41. पृथ्वी वसुन्धरा क्यों कहलाती है?

प्रश्न 42. 'निर्वासित' कहानी के प्रारम्भ की पंक्तियाँ कौनसे भावों को अभिव्यक्त करती है?

प्रश्न 43. 'निर्वासित' कहानी में बाबूजी के दोनों बेटों के क्या नाम थे?

प्रश्न 44. सुभाष बाबू के अनुसार अंग्रेज कौनसी भाषा समझते है?

प्रश्न 45. सैनिकों के लिए सुभाष बाबू ने कौनसे तीन आदर्श बताए है?

प्रश्न 46. सुभाष बाबू के माता–पिता के क्या नाम थे?

प्रश्न 47. स्वामी विवेकानंद के अतिरिक्त किस महापुरूष का सर्वाधिक प्रभाव सुभाष बाबू पर पड़ा?

प्रश्न 48. जगदीश चंद्र बोस के अंतर्गत कृषि मिश्र का नाम लिखिए।

प्रश्न 49. वनस्पति जगत् के जीवन की अविभाज्य एकता क्या तथा गति दर्शाने वाले यन्त्र का नाम लिखिए।

प्रश्न 50. योगी कथामृत किस महापुरूष से सम्बन्धित है?

प्रश्न 51. लेखक ने जगदीश चंद्र बोस का परिचय किन शब्दों में प्रस्तुत किया है?

प्रश्न 52. तोरमाण कौन था?

प्रश्न 53. रेखाचित्र विद्या किसे कहते है?

प्रश्न 54. आत्मकथा विद्या को परिभाषित कीजिए?

प्रश्न 55. 'राष्ट्र के स्वरूप' निर्माण में प्रमुख तीन तत्व कौन–कौनसे है?

प्रश्न 56. संस्कृति का अमिट भण्डार किसमें भरा हुआ है?

प्रश्न 57. जागरणशील राष्ट्र के लिए आनंदप्रद कर्तव्य किसे माना है?

प्रश्न 58. कवि ने श्रीराम और रावण में किस प्रकार का अन्तर बताया है?

प्रश्न 59. मन्दोदरी राम को क्या समझती थी?

प्रश्न 60. 'रहिमन भँवरी के भए' में 'भँवरी' का क्या अर्थ है?

प्रश्न 61. 'रहिमन दाबै ना दबै, जानत सकल जहान' रहीम के अनुसार किसे सब लोग जान लेते है?

प्रश्न 62. 'काज परै कछु और है, काज करै कछु और' इसमें रहीम ने मनुष्य की किस प्रवृति पर व्यंग्य किया है?

प्रश्न 63. यशोधरा दुःखी क्यों है?

प्रश्न 64. भारतवर्ष को प्रकृति का पुण्यतीर्थ स्थल क्यों कहा जाता है?

प्रश्न 65. 'दुःखी न हो इस जन के दुःख से' पंक्ति में यशोधरा ने 'जन' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है?

प्रश्न 66. राम–रावण युद्ध किसका प्रतीक है?

प्रश्न 67. राम को शक्ति उपासना करने का सुझाव किसने दिया?

प्रश्न 68. साँस आशा में किसकी तरह लटकी हुई है?

प्रश्न 69. 'धरती कितना देती है' में कवि में बचपन में क्या बोए थे?

प्रश्न 70. 'धरती कितना देती है' कविता में भारतमाता का आँचल कैसा दिखता है?

C. रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए उत्तर लिखिए–

1. काव्य में ..... गुण होने से श्रोता का मन आनंद उल्लास से भर जाता है।

2. काव्य में ..... गुण होने से रचना सुनने वाले के मन में उत्साह वीरता का भाव जाग्रत हो जाता है।

3. जिन छंदों के चरणों में वर्णों की संख्या निश्चित व गणवृद्ध हो ..... छंद कहलाता है।

4. काव्य में रोला और उल्लास के मिलने से ..... छंद बनता है।

5. काव्य में दोहा और रोला के मिलने से ..... छंद बनता है।

6. काव्य में जहाँ उपमान का हीनत्व वर्णन किया जावे वह ..... अलंकार कहलाता है।

7. काव्य में गुणों की अधिकता या विशेषता से उपमेय के उत्कर्ष का वर्णन हो वहाँ ..... अलंकार होता है।

8. 'बिनु पद चलै सुनै बिनु काना' काव्य में ..... अलंकार है।

9. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 1900 ईस्वी में ..... पत्रिका का संपादन किया।

10. हरिगितिका छंद के प्रत्येक चरण में ..... मात्राएं होती है।

11. गुण काव्य की आत्मा ..... के नित्य धर्म माने जाते है।

12. ..... गुण में द्वित्व वर्णों, संयुक्ताक्षरों का प्रयोग होता है।

13. दोहा, सोरठा, चौपाई आदि ..... छंद है।

14. छन्द के बीच में विराम स्थल को ..... कहा जाता है।

15. तीन वर्णों के समूह को ..... कहते है।

16. कुण्डलियाँ छंद के सभी छंद चरणों में ..... मात्राएं होती है।

17. सवैया छन्द ..... छन्द है।

18. 'माली आवत देखिके, कलियन करी पुकार' काव्य पंक्ति में ..... अलंकार है।

19. जहाँ कारण का अभाव होने पर भी कार्य संपन्न होना हो वहाँ ..... अलंकार होता है।

20. 'जब गोविन्द कृपा करी ..... मिलिया आई।' गोविन्द की कृपा से कबीर को क्या मिला?

21. राधा मुख को चंद्र सा कहते है मति–रंक, पंक्ति में ..... अलंकार है।

22. उपमा अलंकार के विपरीतार्थ ..... अलंकार होता है।

23. वार्णिक छंद के ..... गण होते है।

24. संयुक्ताक्षर से पहले वाला वर्ण ..... होता है।

25. वीर, रौद्र, भयानक आदि रस में ..... गुण होता है।

26. 'अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़–प्रतिज्ञ सोच लो' – इस पंक्ति में ..... गुण है।

27. हाय, वह अवधूत आज कहाँ है? पंक्ति में अवधूत ..... को कहा गया है।

28. काव्य सुनते ही शब्दार्थ का तुरन्त बोध हो ..... गुण कहलाता है।

29. ..... गुण में श्रृंगार, शान्त और करूण रस रहता है।

30. सिय मुख सरद कमल जिमि किमि कहि जाय। पंक्ति में ..... अलंकार है।

खण्ड–ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए

1. "ताली पीटै सिरि धुनै, मीठे बोई माइ" पंक्ति के माध्यम से कबीर क्या संदेश देना चाहते हैं?
2. "जै कछु चितवै राम बिन, सोई काल की पास" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए?
3. "कबीर की भाषा पंचमेल खिचड़ी सधुक्कडी है" इस पंक्ति के आधार पर कबी र के भाषा सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए?
4. "उनका सारा काव्य समन्वय की विराट चेष्ट है" इस कथनके आधार पर तुलसीदास के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए?
5. "मंदोदरी की रावण को सीख" पाठ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए?
6. मंदोदीरी जैसी स्त्रियां हर देश, काल, परिस्थिति और समाज में विद्यमान रही है। इसके आधार पर मंदोदरी की चरित्रिक विशेषता बताइये?
7. "राम बान अहि गन सरिस निकर निसांचर भेक" पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए?
8. "रहिम के व्यक्तित्व में विविध गुणों का विलक्षण योग था" इस पंक्ति के आधार पर रहीम का परिचय दीजिए?
9. "पानी गये न ऊबरै, मोती मानुष चून" पंक्ति के माध्यम से रहीम क्या सन्देश देना चाहते हैं?
10. रहीम ने सज्जन लोगों की तुलना किससे की हैं और क्यों?
11. राष्ट्रकवि की उपाधि से सम्मानित मैथलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए?
12. 'भारत भारती' के माध्यम से गुप्तजी ने पराधीनता ओर निराशा में डूबी भारतीय जनता जाग्रत होने का आह्वान किस प्रकार किया?
13. 'हमीं भेज देती है रण में,' पंक्ति के माध्यम से क्षत्रिय स्त्रियों की विशेषता बताइये?
14. "राम की शक्ति पूजा" कविता में राम–रावण युद्ध सत् और असत् की दो विरोधी प्रवृत्तियों की टकराहट है, स्पष्ट कीजिए?
15. 'अन्याय जिधर है,उधर शक्ति' यह पंक्ति वर्तमान परिपेक्ष्य में क्या साम्य रखती है?

16. धिक जीवन को जो पाता ही आया है विरोध' इस पंक्ति में कवि के स्वयं के जीवन की झलक है। स्पष्ट कीजिए?
17. जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक पचिय दीजिए?
18. 'साँस–सफरी–सी उटकी है किसकी आशा में' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए?
19. 'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता में अरावली–श्रृंग–सा समुन्नत सिर किसका बताया है और क्यों?
20. "क्षमा शोभती उस भुजंग को' पंक्ति में क्षमा किसको शोभा देती है?
21. दिनकर की कविता 'कुरुक्षेत्र' वर्तमान परिस्थितियों से साम्य किस प्रकार रखती है?
22. 'न्याय शान्ति का प्रथम न्यास है' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए?
23. 'पंतजी प्रकृति के चितेरे कवि है' इस आधार पर पंतजी की कविता का काव्यसौन्दर्य बताइये?
24. "आज सफल उसका तप संयम,
    पिला अहिंसा स्तन्य सुधोपम" –पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए?
25. "बाल कल्पना के अपलक पॉवड़े बिछाकर" पंक्ति में पंतजी बालकों की किस विशेषताओं को उजागर करते है?
26. 'पद और प्रतिष्ठा मनुष्य–मनुष्य के बीच नैसर्गिक संबंध को समाप्त कर देती है। 'गुल्ली डण्डा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए?
27. 'गुल्ली–डण्डा सब खेलों का राजा है' लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
28. 'मिठाईवाला' कहानी में लेखक ने बाल मनोविज्ञान के विविध कोणों को प्रस्तुत किया है। इसे स्पष्ट करो?
29. द्विवेदी जी ने शिरीष के फूल की तुलना किससे की है?
30. द्विवेदी जी का साहित्य संबंधी दृष्टिकोण अत्यंत व्यापक एवं उदार है। स्पष्ट कीजिए?
31. कबीर बहुत–कुछ इस शिरीष के समान ही थे लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
32. पाजेब कहानी का मूल उद्देश्य स्पष्ट कीजिए?
33. प्रेम से ही अपराध–वृत्ति को जीता जा सकता है। पाजेब कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए?
34. पाजेब कहानी में बाल मनोविज्ञान का अच्छा चित्रण लेखक ने किस प्रकार किया है?
35. अंधता की अवहेलना कर मनोयोगपूर्वक जीवन कर्त्तव्य की राह पर आलोपी किस हर बढ़ रहा था?
36. जीवन के साधारण प्रसंगों को शब्द चित्रों में अंकित कर देना महादेवी जी की विशेषता है। आलोपी पाइ के आधर पर बताइये?
37. 'अंधे क दुख गूंगा होकर आया था' लेखिका आलोपी के किस दुख की ओर संकेत कर रही है?
38. हरिशंकर परसाई को व्यंग्यकार भी कहा जाता है। 'संस्कारों और शस्त्रों की लड़ाई' के आधार पर स्पष्ट कीजिए?
39. अर्थशास्त्र ने संस्कार को धोबी पछाड़ किस प्रकार दे दी?
40. अर्थशास्त्र संस्कारों पर कैसे हावी हो रहा है?
41. हिन्दी गद्य के विकास में आर्य समाज का योगदान लिखिए।

42. "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" के भाव को स्पष्ट कीजिए।
43. "उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं" राष्ट्र का स्वरूप पाठ के आधार पर किस प्रकार के राष्ट्र का स्वागत करना चाहते हैं?
44. "जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है" इस कथन के आधार पर लेखक क्या कहना चाहता है?
45. निर्वासित कहानी का मूल भाव स्पष्ट कीजिए?
46. लेखिका सूर्यबाला का साहित्यिक परिचय दीजिए?
47. 'निर्वासित' कहानी का कथा शिलप स्पष्ट किजिए?
48. 'निर्वासित' कहानी वर्तमान सन्दर्भ में क्या साम्य रखती है?
49. भारतीय नारी की सामर्थ्य पर सुभाष चन्द्र की क्या राय थी?
50. सुभाष बाबू पर विवेकानन्द के विचारों का क्या प्रभाव पड़ा?
51. सुभाष बाबू का चरित्र चित्रण कीजिए?
52. माण्डले जेल से सुभाष बाबू को क्यो रिहा करना पड़ा?
53. राष्ट्रीय एकता के बारे में सुभाष बाबू के क्या विचार थे?
54. सजीव जगत और निर्जीव जगत के बीच जगदीश चन्द्र बोस ने क्य समानतायें सिद्ध की?
55. भारत के महान वैज्ञानिक सर 'जगदीश चन्द्र बोस' पाठ के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए?
56. जगदीश चंद्र बोस के विज्ञान विषयक विचार अपने शब्दों में लिखिए?
57. 'भोर का तारा' एकांकी का मूल भाव लिखिए?
58. कविता और स्त्री में छाया ने किस प्रकार समानता बताई है?
59. 'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर शिर्षक पर प्रकाश डालिए?
60. "निज प्रेम पर स्वदेश प्रेम की महत्ता है" 'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए।
61. गेहूं बनाम गुलाब पाठ के आधार पर लेखक ने दुषित मानसिकता वालों को क्या संज्ञा दी है?
62. "बेचारा गुलाब–भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है।" इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?
63. बेनीपुरीजी के अनुसार गुलाब की दुनिया कैसी होगी, वर्णन कीजिए।
64. शेखर ने अपना अमर काव्य 'भोर का तारा' अग्नि में क्यों जला दिया?
65. लेखक के अनुसार अगर गेहूँ और गुलाब का सन्तुलन बना रहा तो जीवन कैसा होगा?
66. लेखक ने कालिदास को अनासक्त योगी किस कारण कहा है?
67. ' शिरीष के फूल' पाठ में निहित संदेश बताइये?
68. मिठाईवाला के जीवन में कौनसी दुखान्त घटना घटी थी?
69. कथानायक और गया दोनों ही खेलने से क्यों झेंप रहे थे?
70. पन्त द्वारा रचित कविता 'भारत माता' का मूल प्रतिपद्य बताइये?
71. भारत माता की स्थिति कविता में किस प्रकार की है?

72. 'तीस कोटि सन्तान नग्न तन' कहकर पन्त जी ने किसकी ओर ध्यान आकर्षित करवाया है?

73. "कृत्रिम शांति सशंक आप अपने से ही डरती है"कुरुक्षेत्र कविता के आधार पर पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए?

74. कौन लेगा भार यह ? कौन विचलेगा नहीं? पंक्ति में पन्तजी ने क्या सदेंश व्यक्त किया?

75. "सखि, वे मुझसे कहकर जाते।" पंक्ति में यशोधरा की क्या मनोव्यथा है?

76. 'रहीम भक्त के साथ ज्ञानी भी थे।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए?

77. मन्दोदरी ने राम और रावणके मध्य जो अन्तर स्पष्ट किया है। लिखिए?

78. 'गुरु गोविन्द तो एक है' पंक्ति में कबीर क्या संदेश देना चाहता है?

79. कबीर का जीवन परिचय लिखिए?

80. तुलसीदास का जीवन परिचय लिखिए?

खण्ड– स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए

1. भारतेंदु युग के प्रमुख कवि एंव रचनायें कौन–कौन सी है। टिप्पणी लिखिए?

2. "पुनर्जागरण काल का उदय हिन्दी कविता के लिए नवीन जागरण के सन्देशवाहक युग के रूप में हुआ था" इस कथन पर प्रकाश डालिए?

3. द्विवेदी युग को जागरण–सुधार काल क्यों कहा जाता है?

4. द्विवेदी युग के प्रमुख दो कवियों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिये?

5. खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य 'प्रियप्रवास' लिखने वाले कवि पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

6. द्विवेदी युग के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि कौन है उनका साहित्यिक परिचय लिखिए।

7. द्विवेदी युग में लिखे निबन्ध साहित्य पर प्रकाश डालिए?

8. राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा के मुख्य कवियों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखों?

9. हिन्दी नाटक साहित्य की दृष्टि से प्रसाद युग में लिखित नाटकों पर टिप्पणी लिखए?

10. संस्मरण एवं रेखाचित्र विधा पर प्रकाश डालिए?

11. अज्ञेय द्वारा सम्पादित 'तार सप्तक' के प्रकाशन से हिन्दी काव्य में किस काल काा प्रारम्भ माना जाता है, उस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखए?

12. छायावाद की एकमात्र कवियित्री कौन थी? उसका जीवन व साहित्य परिचय लिखिए?

13. छायावाद के रोद्र कवि के रूप में प्रख्यात "निराला के काव्य कृतियों पर प्रकाश डालिए?

14. जो काव्य मार्क्सवादी दर्शन को सामाजिक चेतना और भावबोध की अपना लक्ष्य बनाकर चला उस काल पर टिप्पणी लिखिए?

15. प्रगतिवाद के कोई दो कवियों का जीवन व साहित्यिक परिचय दीजिए?

16. आधुनिक काल के प्रमुख एकांकीकार रामकुमार वर्मा का एकांकी के क्षेत्र में योगदान लिखिए?
17. मुंशी प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट के रूप में क्यों जाना जाता है?
18. नाटक सम्राट किसे माना जाता है? और क्यों माना जाता है?
19. हिन्दी के संस्मरणात्मक रेखाचित्र–साहित्य की श्री वृद्धि में महादेवी वर्मा के योगदान पर टिप्पणी लिखिए?
20. आत्मकथा व जीवनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए?
21. यात्रावृत्तों को सृजनात्मक रूप देने वाली रचनाओं में किन–किन लेखकों का योगदान रहा है?
22. समकालिन कविता का परिचय देते हुए कवि व कृतित्व पर प्रकाश डालिए?
23. हिन्दी साहित्य में नई कहानी का स्वरूप व विकास को स्पष्ट कीजिए?
24. "नई कहानी में विषयों की विविधता के साथ–साथ शिल्प का नयापन भी विद्यमान है" स्पष्ट कीजिए?
25. उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए?
26. उपन्यास का मूल अर्थ बताते हुए इस पर टिप्पणी लिखिए?
27. सचेतन कहानी व अकहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए?
28. प्रयोगवादी कवि प्रयोग करने में विश्वास करते हैं। इसे स्पष्ट कीजिए!
29. छायावाद का अर्थ एवं परिभाषा लिखिए?
30. हिंदी निबंध के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान स्पष्ट कीजिए?
31. "बिंदु पद चलै सुने बिनु काना" में कौनसा अंलंकार है व उस अलंकार की परिभाषा लिखिए?
32. अलंकार की परिभाषा व अर्थ स्पष्ट कीजिए?
33. समासोक्ति अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए?
34. हिन्दी शब्द की व्युत्पति पर टिप्पणी लिखिए?
35. शैरसेनी अपभ्रंश की उपभाषायें एवं बोलियों के बारे में टिप्पणी लिखिए?
36. हिन्दी साहित्य की इतिहास लेखन परम्परा पर प्रकाश डालिए?
37. हिन्दी साहित्य के काल विभाजन को लेकर विभिन्न मत मतान्तर है, उनके बारे में प्रकाश डालिए?
38. "जैन साहित्य की रचनाऐं उच्च कोटि के साहित्यिक दर्शन युक्त है" इस कथन पर विचार कीजिए?
39. "वीरगाथा काल की सुप्रसिद्ध रचना पृथ्वीराज रासो एक विवादास्पद कृति है" इस कथन पर प्रकाश डालिए?
40. टादिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ या विशेषताएं बताइये?
41. भक्तिकालीन धार्मिक परिस्थितियों के बारे में लिखिए?

खण्ड द

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिएः–

लघूत्तरात्मक प्रश्न– **प्रत्येक प्रश्नः– 5 अंक**

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

प्र0 1– विलायती खेलों में सबसे बड़ा ऐब है कि उनके सामान महंगे होते है। जब तक कम–से–कम एक सैंकड़ा न खर्च कीजिए, खिलाड़ियों में शुमार नहीं हो सकता। यहां गुल्ली–डंडा है कि बिना हर्र–फिटकरी के चोखा रंग देता है; पर हम अँग्रेजी चीजों के पीछे ऐसे दीवाने हो रहे हैं कि अपनी सभी चीजों से अरूचि हो गई। स्कूलों में हरेक लड़के से तीन–चार रूपये सालाना केवल खेलने की फीस ली जाती है। किसी को यह नहीं सूझता की भारतीय खेल खिलाएँ, जो बिना दाम–कौड़ी के खेले जाते हैं। अँगरेजी खेल उनके लिए है जिनके पास धन है।

प्र0 2– मुरलीवाला एकदम अप्रतिभ हो उठा। बोला–"आपको क्या पता बाबू जी इनकी असली लागत क्या है। यह तो ग्राहकों का होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज क्यों न बेचे, पर ग्राहक यही समझते हैं– दुकानदार मुझे लूट रहा है। आप भला काहे को विश्वास नहीं करेंगे ? लेकिन सच पूछिए तो बाबूजी, असली दाम दो पैसा है। आप कहीं से दो पैसे में ये मुरलियाँ नहीं पा सकते। मैंने तो पूरी एक हजार बनवाई थी, तब मुझे इस भाव पड़ी हैं।"

प्र0 3– मैं सोचता हूँ पुराने की यह अधिकार – लिप्सा क्यों नही समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु ये दोनों ही जगत के अति परिचित और अतिप्रमाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफसोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी– 'धरा को प्रमाण यही तुलसी जा फरा, सो झरा जो बरा, सो बुताना।' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है। सुनता कौन है? महाकाल देवता सपासप कौड़े चला रहे हैं; जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं।

प्र0 4– शिरीष तरू सचमुच पक्के अवभूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तंरगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहा है? क्या ये बाह्य परिवर्तन–धूप , वर्षा, आँधी, लू, अपने आप में सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मारकाट, अग्निदाह, लूट–पाट, खून–खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रहा सका था। क्यों, मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों सम्भव हुआ?

प्र0 5– मेरे हमजालियों में एक लड़का गया नाम का था। मुसे दो तीन साल बड़ा होगा। दुबला–लम्बा बन्दरों की–सी लम्बी–लम्बी, पतली–पतली उँगलियाँ, बन्दरों की–सी चपलता, वही झल्लाहट। गुल्ली कैसी ही हो उस पर इस तरह लपकता था, जैसे छिपकली कीड़ों पर लपकती है। मालूम नहीं, उसके माँ–बाप थे या नहीं। कहाँ रहता था, क्या खाता था; पर था हमारे गुल्ली क्लब का चैम्पियन। जिसकी तरफ वह आ जाए, उसकी जीत निश्चित थी। हम सब उसे दूर से आते देख, उसका दौड़ कर स्वागत करते थे और उसे भी अपना गोरयाँ बना लेते थे।

प्र0 6– मैंने धाँधली की, बेईमानी की, पर उसे जरा क्रोध न आया। इसीलिए कि वह खेल न रहा था, मुझे खेला रहा था, मेरा मन रख रहा था। वह मुझे पढ़ाकर मेरा कचमूर नहीं निकालना चाहता था। मैं अब अफसर हूँ। यह अफसरी मेरे और उसके बीच में दीवार बन गई है। मैं अब उसका लिहाज पा सकता हूँ, अदब पा सकता हूँ, साहचर्य नहीं पा सकता। लड़कपन था तब मैं उसका समकक्ष था। हममें कोई भेद न था। यह पद पाकर अब मैं केवल उसकी दया के योग्य हूँ। वह मुझे अपना जोड़ नहीं समझता। वह बड़ा हो गया है, मैं छोटा हो गया हूँ।

प्र0 7– अतिशय गंभीरता के साथ मिठाई वाले ने कहा–"मै भी अपने नगर का एक प्रतिष्ठित आदमी था। मकान, व्यवसाय, गाड़ी–घोड़े, नौकर–चाकर सभी कुछ था। स्त्री थी, छोटे–छोटे दो बच्चे भी थे। मेरा वह सोने का संसार था। बाहर संपत्ति का वैभव था, भीतर सांसारिक सुख था। स्त्री सुन्दर थी, मेरी प्राण थी। बच्चे ऐसे सुंदर थे, जैसे सोने के सजीव खिलौने। उनकी अठखेलियों के मारे घर में कोलाहल मचा रहता था। समय की गति! विधाता की लीला। अब कोई नहीं है। दादी, प्राण निकाले नही निकले। इसलिए अपने उन बच्चों की खोज में निकला हूँ। वे सब अन्त में होंगे, तो यहीं कहीं। आखिर, कहीं न कहीं जन्मे ही होंगे। उस तरह रहता, घुलघुल कर मरता। इस तरह सुख–संतोष के साथ मरूगाँ।

प्र0 8– शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पन्द्रह–बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाष की भाँति। कबीर दास को इस तरह पन्द्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नही था। यह भी क्या कि 'दस दिन फूले और फिर खंखड़–के खंखड़ "दिन दस फूला, फूलिके खंखड़ यथा पलास।" फूल है शिरीष। वसन्त के आगमन के साथ लहक

उठता है, आषाढ़ तक तो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्धात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र–प्रचार करता है।

प्र0 9 कालिदास सौन्दर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे, दुःख हो कि सुख, वे अपना भाव–रस उस अनासक्त कृषीवल की भाँति खींच लेते थे, जो निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान् थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इस श्रेणी के अनासक्त आधुनिक हिन्दी के कवि सुमित्रानंदन पंत में है। कविवर रवीन्द्रनाथ में यह अनासक्ति थी। एक जगह उन्होंने लिखा है– 'राजोद्यान का सिंहद्वार क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रस्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है। यही बताना उसका कर्त्तव्य है।

प्र0 10– मेरे मन में उस समय तरह–तरह के सिद्धांत आए। मैंने स्थिर किया कि अपराध के प्रति करूणा ही होनी चाहिए, रोष का अधिकार नहीं है। प्रेम से ही अपराध–वृत्ति को जीता जा सकता है। आतंक से उसे दबाना ठीक नहीं है। बालक का स्वभाव कोमल होता है और सदा ही उससे स्नेह से व्यवहार करना चाहिए।

मैंने कहा कि बेटा आशुतोष तुम घबराओ नहीं। सच कहने में घबराना नहीं चाहिए। ली हो तो खुलकर कह दो, बेटा! हम कोई सच कहने की सजा थोड़े ही दे सकते हैं। बल्कि सच बोलने पर तो इनाम मिला करता है।

प्र0 11– साधारणतः आज के पुरूष का पुरूषार्थ विलाप है। जितने प्रकार से, जितनी भाव–भंगिमा के साथ; जितने स्वरों में वह अपने निराश जीवन का मर्सिया गा सके, अपनी असमर्थता का स्यापा कर सके उतना ही वह स्तुत्य है और उतना ही अधिक पुरूष नाम के उपयुक्त है।

अंधी आँखों को आकाश की ओर उठाकर अपने पुरूषार्थ की दोहाई देने वाले आरोपी को ऐसी परम्परा के न्यायालय में प्राण–दण्ड के अतिरिक्त और कुछ नहीं मिल सकता था।

प्र0 12– एक बार जब अपनी लम्बी अकर्मण्यता पर लज्जित हमारे हिन्दु–मुस्लिम भाई वीरता की प्रतियोगिता में सक्रिय भाग ले रहे थे, तब अलोपी पहले से दुगनी बड़ी डलिया में न जाने क्या–क्या भरे और एक बड़ी गहरी रग्धू की पीठ पर भी लादे, सुनसान रास्ते से आ पहुँचे। उसके दुस्साहस ने मुझे विस्मित न करके क्रोधित कर दिया। 'तुम हृदय के भी अंधे हो, ऐसी अँधेरी गलियों में प्राण देकर कुछ स्वर्ग नही पहुँच जाओगे' आदि–आदि स्वागत–वचनों के उत्तर में अलोपी बैंगन–लौकी टटोलने लगा। मेरे आँगन में तरकारियों का टीला निर्मित कर, वह वैसे ही मूक भाव से छात्रावास की ओर चल दिया।

सत्यमेव जयते

प्र0 13– अलोपी के अँधेरे जीवन का उपसंहार भी कम अंधकारमय न हो, इसका समुचित प्रबंध विधाता कर चुका था। एक दिन मेरे निकट बैठकर अपने–आप से संसार–चर्चा करती हुई भक्तिन ने सुनाया अलोपी अपना घर बसा रहा है। मैं इतनी विस्मित हुई कि भक्तिन की कथाओं के प्रति सदा की उपेक्षा भूल कर 'क्या' कह उठी और तब भक्तिन ने उसी प्रसन्न मुद्रा में मेरी ओर देखा, जिससे भीष्म ने रथ का पहिया ले दौड़ने वाले कृष्ण को देखा होगा। पता चला, उसके कथन का प्रत्येक अक्षर बिना मिलावट का सत्य है।

प्र0 14– मैं कुछ बोला नहीं। मेरा मन जाने कैसा गंभीर प्रेम के भाव से आशुतोष के प्रति उमड़ रहा था। मुझे मालूम होता था कि ठीक इस समय आशुतोष को हमें अपनी सहानुभूति से वंचित नहीं करना चाहिए, बल्कि कुछ अतिरिक्त स्नेह इस समय बालक को मिलना चाहिए। मुझे यह एक भारी दुर्घटना मालूम होती थी। मालूम होता था कि अगर आशुतोष ने चोरी की है तो उसका इतना दोष नहीं है, बल्कि यह हमारे ऊपर बड़ा भारी इलज़ाम है। बच्चे में चोरी की आदत भयावह हो सकती है। लेकिन बच्चे के लिए वैसी लाचारी उपस्थित हो आई, यह और भी कही भयावह है। यह हमारी आलोचना है। हम उस चोरी से बरी नहीं हो सकते।

प्र0 15– अंधे अलोपी के घटना–शून्य जीवन में उपयोगिता का एक भी परमाणु है या नहीं, इसकी खोज कोई तत्व वैज्ञानिक ही कर सकेगा। मुझे तो उसकी कथा आँसू भरी दृष्टि की छाया में काँपते हुए दुःख गीत की एक कड़ी–सी लगती रहती है। मैंने उसे कब देखा, यह कहानी भी उसी के समान अपनी विचित्रता में करूण है।

प्र0 16– अंधे का दुःख गूँगा होकर आया था, अतः सांत्वना देने वाले उसके हृदय तक पहुँचने का मार्ग ही न पा सकते थे। मेरे बोलते ही वह लज्जा से इस तरह सिकुड़ जाता, मानों उसके चारों ओर ओले बरस रहे हों, इसी से विशेष कुछ कह–सुनकर उसका संकोचजनित कष्ट बढ़ाना जैसे उचित न समझा। पर, अपने अपराध से अनजान और अकारण दंड की कठोरता से अवाक् बालक–जैसे अलोपी के चारों ओर जो अँधेरी छाया घिर रही थी, उसने मुझे चिंतित कर दिया था।

प्र0 17– बालक रग्धू के लिए दूसरे काम का प्रबंध कर मैने अलोपी के शेष स्मारक पर विस्मृति की यवनिका डाल दी है; पर आज भी दहेली की ओर देखते ही मेरी दृष्टि मानों एक छायामूर्ति में पूंजीभूत होने लगती है। फिर धीरे–धीरे उस छाया का मुख स्पष्ट हो चलता है। उसमें मुझे कच्चे काँच की गोलियाँ जैसी निष्प्रभ आँखें भी दिखाई पड़ती हैं और पिचके गालों पर सूखे आँसुओं की रेखा का आभास भी मिलने लगता है। तक मैं आँख मल–मल कर सोचती हूँ–नियति के व्यगंम से जीवन और संसार के छल से मृत्यु पाने वाला अलोपी क्या मेरी ममता के लिए प्रेत होकर मँडराता रहेगा?

प्र0 18– मेरे मन में एक ही सवाल था– अगर किसी सामाजिक क्रांति में बौद्रिक विश्वास के साथ कोई लगा हो और तभी चाची कह दे कि बेटा, तुम्हारे चाचा की आत्मा को दुःख होगा, परलोक में उनकी दुर्गति हो जाएगी तब क्रांतिकारी क्या करेगा? परिवार की भावना की रक्षा भी तो करनी पड़ती है। तब क्या वह यह कहेगा कि चाची, अगर तुम्हारी यह भावना है तो मैं क्रांति छोड़ देता हूँ।

प्र0 19– यों कोई बुरी बात नहीं जिनकी हैसियत है, वे एक से ज्यादा भी बाप रखते हैं– एक घर में, एक दफ़्तर में, एक दो बाजार में, एक–एक हर राजनीतिक दल में। इधर एक आदमी है जिसके परसों तक 35 बाप थे। कल संविद सरकार टूट रही है तो 15 रह गये। आज वह सरकार थम गई तो 38 बाप हो गये हैं।

मुझे उनकी पिता की मृत्यु का कतई दुःख नहीं था। उन्हें मैं जानता नहीं था। फिर वे 80 के थे और उनकें मरने से कोई अनाथ नहीं हुआ था। दोस्त को भी दुःख नहीं था, कुछ पछतावा जरूर था।

प्र0 20– अर्थशास्त्र संस्कारों के सीने पर चढ़कर गला दबा रहा है। इधर एक लड़के ने लड़की को उसी की इच्छा से भगाकर 'सरकारी शादी' कर ली। लड़का योग्य, सुन्दर और अच्छी नौकरी वाला। पहले लड़के की माँ के संस्कारों ने जोर मारा और उसने हाय–तोबा मचाया। अर्थशास्त्र से यह बरदाशत नही हुआ। उसने संस्कारों को एक पटकनी दी। माँ ने सोचा, यह जो 15 हजार दहेज के लिए रखे थे, साफ बचे। फिर 15 हजार में भी इतना अच्छा लड़का नहीं मिलता। उन्होंने कार्ड बाँटकर दावत दे दी।

निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न – 5 अंक

1 मूरषि संग न कीजिए, लोहा जल न तिराइ।

क्दली सी भुवंग मुख, एक बूँद तिहूँ भाई।।

माषी गुड़ मैं गड़ि रही, पंष रही लपटाइ।

ताली पीटै सिरि धुनैं, मीठै बोई माइ।।

2 संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ाणी, माया रहै न बाँधी रे।।

हितचित की दोउ घूँनी गिरानी, मोह बलींडा टूटा।

त्रिस्नां छांनि परी घर ऊपरि, कुबधि का भांडा फूटा।।

जोग जुगति कर संतौ बांधी, निरचू चुवै न पांणीं।

कूड़–कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जांणी।।

3 नाथ दीनदयाल रघुराई। बाघउ सनमुख गएँ न खाई।।

चहिअ करन सो सब करि बीते। तुम सुर असुर चराचर जीते।।

संत कहहि असि नीति दसानन। चौथेंपन जाइहि नृप कानन।।

तासु भजन कीजिअ तहँ भर्ता। जो कर्ता पालक संहर्ता।।

सोइ रघुबीर प्रनत अनुरागी। भजहु नाथ ममता सब त्यागी।।

4 पद पाताल सीस अज धामा। अपर लोक अँग अँग बिश्रामा।।

भृकुटि बिलास भयंकर काला। नयन दिवाकर कच घन माला।।

जसु घ्रान अस्विनीकुमारा। निसि अरू दिवस निमेश अपारा।।

श्रवन दिसा दस बेद बखानी। मारूत स्वास निगम निज बानी।।

अधर लोभ जम दसन कराला। माया हास बाहु दिगपाला।।

5 तव बल नाथ डोल नित धरनी। तेज हीन पावक ससि तरनी।।

सेश कमठ सहि सकहिं न भारा। सो तनु भूमि परेउ भरि छारा।।

बरून कुबेर सुरेस समीरा। रन सन्मुख धरि काहुँ न धोरा।।

भुजबल जितेहु काल जम साईं। आजु परेहु अनाथ की नाईं।।

जगत बिदित तुम्हारी प्रभुताई। सुत परिजन बल बरनि न जाईं।।

राम बिमुख उस हाल तुम्हारा। रहा न कोउ कुल रोवनिहारा।।

6 कदली सीप भुजंग–मुख, स्वाति एक गुन तीन।

जैसी संगति बैठिए, तैसोई फल दीन।।

काज परै कछु और है, काज सरै कछु और।।

रहिमन भंवरी के भए, नदी सिरावत मौर।।

7 जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।।

बारे उजियारो करे, बढै अँधेरो होय।।

रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।।

पनी गए न ऊबरै, मोती मानुष चून।।

8 सिद्धि–हेतु स्वामी गये, यह गौरव की बात;

पर चोरी–चोरी गये, यही बड़ा व्याघात।

सखि, वे मुझसे कहकर जाते,

कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ–बाधा ही पाते?

मुझको बहुत उन्होंने माना,

फिर भी क्या पूरा पहचाना?

मैंने मुख्य उसकी को जाना,

जो वे मन में लाते।

सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

9 जाएँ, सिद्धि पावें वे सुख से,

दुखी न हों इस जन के दुःख से,

उपालम्भ दूँ मैं किस मुख से?

आज अधिक वे भाते!

सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

गये, लौट भी वे आवेंगे

कुछ अपूर्व–अनुपम लावेंगे?

रोते प्राण उन्हे पावेंगे?

पर क्या गाते–गाते,

सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

10 निज सहज रूप में संयत हो जानकीप्राण

बोले "आया न समझ में यह दैवी विधान।

रावण, अर्धमरत भी, अपना, मैं हुआ अपर,

यह रहा, शक्ति का खेल समर, शंकर, शंकर।

करता मौं योजित बार–बार शरनिकर निशिंत,

हो सकती जिनसे यह संसृति संपूर्ण विजित,

जो तेजः पुंज, सृष्टि की रक्षा का विचार,

हैं जिनमें निहित पतन घातक संस्कृति अपार।

11 यह अन्तिम जय, ध्यान में देखते चरण युगल

राम ने बढ़ाया कर लेने को नीलकमल।

कुछ लगा न हाथ हुआ सहसा स्थिर मन चंचल,

ध्यान की भूमि से उतरे, खोले पलक विमल।

देखा, वहाँ रिक्त स्थान, यह जय का पूर्ण समय,
आसन छोड़ना असिद्धि भर गए नयनद्वय
"धिक् जीवन को जो पाता ही आया है विरोध,
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध

12 भू–लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ।।
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कृर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।।

13 या हथेलियाँ, खोले थे वे नन्हीं प्यारी–
जो भी हो, वे हरे–हरे उल्लास से भरे
पंख मार कर उड़ने को उत्सुक लगते थे
डिम्ब तोड़कर निकले चिड़ियों के बच्चे से।
निर्निमेष, क्षण भर मैं उनको रहा देखता–
सहसा मुझे स्मरण हो आया–कुछ दिन पहले
बीज सेम के रोपे थे मैंने आँगन में,
और उन्हीं से बौने पौधों की यह पलटन
मेरी आँखों के सम्मुख अब खड़ी गर्व से
नन्हे नाटे पैर पटक, बढ़ती जाती है।

14 यह धरती कितना देती है, धरती माता
कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!
नहीं समझ पाया था मैं उसके महत्व को,
बचपन में निज स्वार्थ लोभवश पैसे बोकर।
रत्न–प्रसविनी है वसुधा अब समझ सका हूँ।
इसमें सच्ची माता के दाने बोने हैं
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं
इसमें मानवता ममता के दाने बोने हैं

15 क्षमा शोभती उस भुजंग को,
जिसके पास गरल हो।
उसको क्या, जो दन्तहीन,
विषरहित, विनीत, सरल हो?
तीन दिवस तक पन्थ माँगते
रघुपति सिन्धु–किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छनद
अनुन्य के प्यारे–प्यारे।

16 तीस कोटि संतान नग्न तन,
अर्ध क्षुधित, शोषित, निरस्त्र जन,
मूढ़, असभ्य, अशिक्षित, निर्धन,
नत – मस्तक
तरू तल निवासिनी।
स्वर्ण शस्य पर–पदतल लुंठित,
धरती सा सहिष्णु मन कुंठित,
क्रंदन कंपित अधर मौन स्मित,
राहु ग्रसित
शरदेन्दु हासिनी

17 आः, धरती कितना देती है।
मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रूपयों की कलदार मधुर फसल सनकेंगी,
और फूल फलकर मैं मोटा सेठ बनूगाँ।
पर बंजर धरती पर एक न अंकुर फूटा,
बंध्या मिट्टी ने न एक भी पैस उगला।
सपने जाने कहाँ मिटे, कब धूल हो गए।

18 बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युतगति हतचेतन
राम में जगी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन।
"यह है उपाय", कह उठे राम ज्यों मन्द्रित घन
"कहती थीं माता, मुझको सदा राजीवनयन।
दो नीलकमल हैं शेष अभी, यह पुरश्चरण
पूरा करता हूँ देकर मातः एक नयन।"
कहकर देखा तूणीर ब्रहमशर रहा झलक,
ले लिया हस्त लक लक करता वह महाफलक।

19 कौन लेगा भार यह?
जीवित है कौन?
साँस चलती है किसकी
कहता है कौन ऊँची–छाती कर, मैं हूँ–
–मैं हूँ मेवाड़ मैं,
अरावली–श्रृंग–सा सुमन्नत सिर किस का?
बोलो, कोई बोलो–अरे, क्या तुम सब मृत हो?"

20 आह! ठस खेवा की!–
कौन थामता है पतवार ऐसे अंधड़ में,
अंधकार–पारावार गहन नियति–सा
उमड़ रहा है, ज्योति–रेखाहीन–क्षुब्ध हो।
खींच ले चला है–
काल–धीवर अनन्त में
साँस–सकरी–सी अटकी है किसकी आशा में?

21 क्षमाशील हो रिपु–समक्ष
तुम हुए विनत जितना ही,
दुष्ट कौरवों ने तुमको
कायर समझा उतना ही
अत्याचार सहन करने का
कुफल यही होता है,
पौरूष का आतंक मनुज

कोमल होकर खोता है।

खण्ड – ई

निम्नाकित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न **प्रत्येक प्रश्न–6 अंक**

प्र.1 कबीर ने अपने जीवन में गुरू को सर्वोच्च दर्जा दिया है। कबीर के दोहों के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्र.2–रहीम के दोहों से जीवन की सच्ची शिक्षा मिलती है। इस कथन को स्पष्ट करते हुए रहीम के दोहों की विशेषताएं बताइए।

प्र.3–'मैथिलीशरण गुप्त सच्चे अर्थों में एक राष्ट्र कवि थे।' 'भारत की श्रेष्ठता' कविता के आधार पर बताइए।

प्र.4– सखि वे मुझसे कहकर जाते' कविता की मूल संवेदना बताइए।

प्र.5–'धिक जीवन को जो पाता ही आया विरोध' पंक्ति के आधार पर 'राम की शक्ति पूजा' कविता का मूल भाव लिखिए।

प्र.6–'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता का मूल भाव लिखिए।

प्र.7– 'क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो'। 'कुरूक्षेत्र' काव्य के आधार पर पक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि बिना शक्ति के क्षमाशील होने के क्या परिणाम होते है?

प्र.8– पैसे व सेम की बिजाई के माध्यम से कवि 'धरती कितना देती है' कविता में क्या संदेश देना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.9– भारतमाता कविता में कवि पंत ने भारतवर्ष की क्या क्या विशेषताएं बतलाई हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्र.10–'राम की शक्ति पूजा' कविता मानव मन का अन्तर्द्वन्द्व है? समझाइए।

प्र.11–'गुल्ली डंडा' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पद और प्रतिष्ठा मनुष्य और मनुष्य के बीच के प्राकृतिक सम्बन्ध को समाप्त कर देते हैं।

प्र.12–मिठाईवाला कहानी की मूल संवेदना अथवा मूल प्रतिपाद्य बताइए।

प्र.13–'शिरीष के फूल' ललित निबन्ध के माध्यम से द्विवेदी जी ने मानव जन को क्या सदेंश दिया है?

प्र.14–'बालकों का मन बहुत भोला व कोमल होता है।' 'पाजेब' कहानी के आधार पर बाल मनोविज्ञान के विभिन्न कोणों का परिचय दीजिए।

प्र.15– 'अलोपी के अंधरे जीवन का उपसंहार भी कम अंधकारमय न हो इसका समुचित प्रबन्ध विधाता कर चुका था'। महादेवी वर्मा के इस कथन को स्पष्ट करते हुए अलोपी की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

प्र.16– 'अर्थशास्त्र संस्कारों के सीने पर चढकर गला दबा रहा हैं। इस कथन को 'संस्कार और शास्त्रों की लड़ाई' निबन्ध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र.17–मैं सोचता हूं कि पुराने की अधिकर लिप्सा क्यों नही समय रहते सावधान हो जाती?' शिरीष के फूल' निबंध के आधार पर उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

प्र.18– 'शिरीष ' तरू सचमुच पक्के अवधूत की भांति मेरे मन में ऐसी तरंगे जगा देता है जो उपर की ओर उठती रहती हैं।' पंक्ति का अर्थ बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने शिरीष को अवधूत क्यों कहा है?

प्र.19– 'मिठाईवाला' वास्तव में स्नेह व वात्सल्य से परिपूर्ण व्यक्ति था। इस कथन के आधार पर 'मिठाईवाला' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

प्र.20– गुल्ली–डंडा कहानी के आधार पर कथानायक की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

प्र.21– 'जन के हदय में माता भूमिः पुत्रोडंह प्रथिव्या'ः सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है' इस कथन के आधार पर राष्ट्र के प्रमुख तत्वों की विवेचना कीजिए।

प्र.22–'निर्वासित'कहानी वानप्रस्थी जीवन जी रहे दम्पति की दर्द भरी कहानी है'। प्रस्तुत कथन के आधार पर निर्वासित कहानी की उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्र.23– नौजवानों तथा विद्यार्थियों के लिए सुभाष चन्द्र बोस ने क्या संदेश दिया है?

प्र.24– राष्ट्रीयता एकता तथा नारी सामर्थ्य पर सुभाष बाबू के विचार क्या थे? स्पष्ट कीजिए?

प्र.25–जगदीश चन्द्रबोस के व्यक्तित्व की विशेषताएं बताइए।

प्र.26– 'भोर का तारा' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्र.27– गेहूं और गुलाब की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कर लेखक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्र.28– 'भौतिक आवश्यकताओं को महत्व देने के चक्कर में मानव अपनी शक्ति खो रहा है'। प्रस्तुत कथन का आश्य गेहूं बनाम गुलाब पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।'

प्र.29–शेखर सच्चे अर्थों में स्वदेश प्रेमी है। भोर का तारा एकांकी के आधार पर प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र.30– 'राष्ट्रीयता के विकास में जन का भूमि के प्रति क्या कर्तव्य है'? 'राष्ट्र का स्वरूप' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र.31– 'अधे का दुःख गूंगा होकर आया था। अतः सांत्वना देने वाले उसके हदय तक पहुंचने का मार्ग ही न पा सकते थे।' अलोपी संस्मरण के आधार पर महादेवी वर्मा की इन पंक्तियों का अर्थ बताइए।

प्र.32– साधारणतः आज के पुरूष का पुरूषार्थ विलाप है। उपर्युक्त पंक्ति को अलोपी संस्मरण के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र.33– 'अलोपी के चारों ओर जो अंधेरी छाया घिर रही थी, उसने मुझे चिंतित कर दिया था।' अलोपी में आए इस परिवर्तन का क्या कारण था?